हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय वश्व वद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
मान वकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 448 (HIL 448)

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- हिंदी के कसी एक साहित्यकार का वशेष अध्ययन

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी के कसी एक साहित्यकार के अध्ययन में वशेषज्ञता प्रदान करना है | इससे वद्या र्थयों में उस वशेष साहित्यकार के रचना-संसार के समग्र मूल्यांकन के लए शोधपरक तथा आलोचकीय दृष्टि का वकास हो सकेगा |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

* पुस्तकालय कार्य - 5%
* प्रायो गक कार्य - 5%
* गृह-कार्य - 5%
* कक्षा परीक्षा - 5%
* कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- हिंदी के कसी एक साहित्यकार का वशेष अध्ययन

क्रे डट- 4

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 448 (HIL448)

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 प्रेमचंद:जीवन और कृतित्व

क) प्रेमचंद का जीवन परिचय

ख) प्रेमचंद की साहित्य साधना

ग) व भन्न राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद

इकाई-2 कहानीकार प्रेमचंद

क) 'सोज़े-वतन' की कहानियों का पाठगत वश्लेषण

ख) प्रेमचंद की प्रमुख कहानियों (ठाकुर का कुँव. बड़े घर की बेटी बूढी काकी, ईदगाह, पूस की रात, सद्गति,कफ़न) का वश्लेषण

ग) कहानीकार प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-3 उपन्यासकार प्रेमचंद

क) 'सेवासदन' का वश्लेषण

ख) 'निर्मला' का वश्लेषण

ग) 'ग़बन' का वश्लेषण

घ) 'गोदान' का वश्लेषण

ङ) उपन्यासकार प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-4 आलोचक प्रेमचंद

क) 'साहित्य का उद्देश्य' संग्रह का वश्लेषण

ख] आलोचक प्रेमचंद का मूल्यांकन

इकाई-5 प्रेमचंद का समग्र मूल्यांकन

क) स्त्री- वमर्श और प्रेमचंद का साहित्य

ख) द लत- वमर्श और प्रेमचंद का साहित्य

ग) समकालीन चेतना और प्रेमचंद का साहित्य

घ) हिंदी साहित्य में प्रेमचंद का स्थान

आधार ग्रन्थ -

1. गोदान प्रेमचंद
2. सेवासदन प्रेमचंद
3. निर्मला प्रेमचंद
4. ग़बन प्रेमचंद
5. साहित्य का उद्देश्य प्रेमचंद
6. मानसरोवर प्रेमचंद
7. सोज़े-वतन प्रेमचंद

सन्दर्भ ग्रन्थ -

8. प्रेमचंद और उनका युग राम वलास शर्मा
9. प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र नन्द कशोर नवल
10. अठारह उपन्यास राजेन्द्र यादव
11. उपन्यास का वकास मधुरेश
12 प्रेमचंद और भारतीय समाज नामवर संह
13 प्रेमचंद और भारतीय कसान प्रो.रामवक्ष
14 उपन्यास की संरचना गोपाल राय
15 प्रेमचंद कहानी का रहनुमा ज़फ़र रज़ा
16 प्रेमचंद डॉ.नरेंद्र कोहली
17 प्रेमचंद और द लत वमर्श कांतिमोहन
18 प्रेमचंद वरासत का सवाल शव कुमार मश्र

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या /व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र

व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य एम .ए (हिन्दी) के वद्या र्थयों को स्वतंत्रता के बाद क वता के क्षेत्र में आए बदलाव एवं परिवर्तन आदि से रूबरू कराना है जिससे क स्वतंत्रता के बाद की काव्य परम्पराओं एवं उनके योगदान से उन्हें भली-भांति परि चत कराया जा सके यही नहीं क वता की व भन्न काव्यधारायें जिस तरह समाज में व्यापक सरोकार के साथ उन्मुख रहीं उनकी व शष्टता से भी अवगत कराया जा सके |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय

मान वकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-**4**

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय

पाठ्यक्रम वषयवस्तु -

इकाई-1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ (8 घंटे)

क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य : राजनीतिक,सामाजिक स्थिति

ख) प्रगतिवादी काव्यधारा

ग) प्रयोगवादी काव्यधारा

घ) नई क वता

ङ) समकालीन हिन्दी क वता

इकाई-2 प्रयोगवादी क वता : क व एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) अज्ञेय का काव्यगत वकास,अज्ञेय की काव्य-दृष्टि, अज्ञेय और प्रकृति,अज्ञेय का भाषा- शल्प

ख) मुक्तिबोध के काव्य में मनो वज्ञान,अस्तित्ववाद,मार्क्सवाद का प्रभाव

ग) मुक्तिबोध की सौन्दर्यानुभूति,मुक्तिबोध का शब्द कर्म,मुक्तिबोध का भाषा- शल्प

घ) अज्ञेय की क वताओं का पाठ

ङ) मुक्तिबोध की क वताओं का पाठ

इकाई-3 नई क वता : क व एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) मुक्तिबोध और नई क वता,शमशेर बहादुर संह की क वता में प्रेम

ख) भवानी प्रसाद मश्र का काव्यगत वकास, प्रेम एवं प्रकृति,इतिहास एवं समाज

ग) रघुवीर सहाय की क वता में राजनीति एवं समाज,रघुवीर सहाय का भाषा- शल्प

घ) शमशेर बहादुर संह की क वताओं का पाठ

ङ) भवानी प्रसाद मश्र की क वताओं का पाठ

च) रघुवीर सहाय की क वताओं का पाठ

इकाई-4 समकालीन क वता : क व एवं रचना संसार (8 घंटे)

क) त्रिलोचन : काव्यगत वकास,भाषा- शल्प,त्रिलोचन के सानेट

ख) नागार्जुन : काव्यगत वकास,भाषा- शल्प

ग) केदारनाथ संह : काव्यगत वकास,ग्रामीण संवेदना

घ) त्रिलोचन की क वताओं का पाठ

ङ) नागार्जुन की क वताओं का पाठ

च) केदारनाथ संह की क वताओं का पाठ

इकाई-5 समकालीन क वता : चुनौतियां एवं युगबोध (8 घंटे)

क) समकालीनता एवं सर्वका लकता का प्रश्न

ख) समकालीनता की अवधारणा

ग) समकालीन क वता और सामाजिक यथार्थ

घ) समकालीन हिन्दी क वता की चुनौतियाँ

<u>सम्भा वत ग्रन्थ :</u>

<u>आधार ग्रन्थ :</u>

कृष्णदत्त पालीवाल अज्ञेय रचनावली,खण्ड- 2

भारतीय ज्ञान पीठ, 18 इंस्टीटयूशनल एरिया,लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110 003

रघुवीर सहाय एक समय था

राजकमल प्रकाशन प्रा . ल
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पहला संस्करण : 1995

धू मल कल सुनना मुझे

वाणी प्रकाशन, 21-ए,दरियागंज नई दिल्ली- 110 002
आवृत्ति : 2010

शमशेर बहादुर संह प्रतिनि ध क वतायें

राजकमल पेपरबैक्स,
राजकमल प्रकाशन प्रा. ल.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पांचवी आवृत्ति : 2005

नागार्जुन प्रतिनि ध क वतायें

राजकमल पेपरबैक्स,

राजकमल प्रकाशन प्रा. ल.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002

गोबिन्द प्रसाद (सम्पादन) केदारनाथ संह पचास क वताएँ नयी सदी के लए
वाणी प्रकाशन,4695,21-ए दरियागंज,नई दिल्ली-110002
प्रथम संस्करण : 2012

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा
वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 1996

डॉ. बृजबाला संह मुक्तिबोध और उनकी क वता
वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2004

डॉ. हरिनिवास पाण्डेय प्रगतिशील काव्यधारा और त्रिलोचन
वश्व वद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2000

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय
मान वकी एवं भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445 **(HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गति व ध और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या /व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल, शक्षक नियंत्रित गति व धयों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,से मनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: एम.ए के वद्या र्थयों को पटकथा लेखन की परिचयात्मक रूपरेखा से अवगत कराना है | यही नहीं इस पाठ्यक्रम के ज़रिये दूरदर्शन पटकथा लेखन,रे डयो पटकथा लेखन एवं फल्म पटकथा के व भन्न अवयवों की पड़ताल भी कराना है |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु वद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर वद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वं चत कया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्याव ध परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायो गक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय वश्व वद्यालय
मान वकी एवं भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा वभाग

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन
पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445 **(HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय
पाठ्यक्रम वषयवस्तु-
इकाई-1 पटकथा : अर्थ एवं स्वरूप (**4** घंटे)

घ) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप

ङ) पटकथा लेखन एवं समाज

च) पटकथा के लए उपयुक्त कहानी का चयन

छ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भू मका

इकाई-2 हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 1 (**4** घंटे)

च) फीचर फल्मों की पटकथा

छ) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा

ज) रे डयो पटकथा लेखन एवं दृष्टि

झ) रे डयो नाटक लेखन एवं व भन्न तत्व

ञ) रे डयो रूपक

इकाई-3 हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 2 (**4** घंटे)

च) दूरदर्शन पटकथा

छ) सोप ओपेरा की पटकथा

ज) वज्ञापन फल्मों की पटकथा

झ) पटकथाकार के व भन्न गुण

ञ) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति

इकाई-4 पटकथा के मूल घटक **(4** घंटे)

छ) वस्तु वन्यास

ज) परिस्थिति परियोजना

झ) पात्र परिकल्पना

ञ) संवाद कला

इकाई-5 पटकथा लेखन एवं भ वष्यगत संभावनाएं (**4** घंटे)

छ) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य

ज) पटकथा लेखन में युवाओं की भू मका

झ) पटकथा लेखन में फल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर

ञ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ

ट) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासं गकता

सम्भा वत ग्रन्थ :

1. असगर वजाहत व्यावहारिक निर्दे शका

व्याख्यान योजना-

पाठ्यक्रम शीर्षक - पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 445 **(HIL 445)** श्रेय तुल्यमान: **2** श्रेय

व्याख्यान संख्या	व्याख्यान वषय	सम्भा वत स्रोत
1	क) पटकथा परिभाषा एवं स्वरूप ख) पटकथा लेखन एवं समाज	पाठ्यपुस्तक 1
2	ग) पटकथा के लए उपयुक्त कहानी का चयन घ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा की भू मका	पाठ्यपुस्तक 1
3-4	इकाई दो प्रारम्भ: हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 1 क) फीचर फल्मों की पटकथा ख) डाक्यूमेंट्री एवं डाक्यूड्रामा	पाठ्यपुस्तक 2,3
5-**5**	ग) रे डयो पटकथा लेखन एवं दृष्टि घ) रे डयो नाटक लेखन एवं व भन्न तत्व ङ) रे डयो रूपक	पाठ्यपुस्तक
7-8	इकाई तीन प्रारम्भ, हिन्दी पटकथा के व भन्न प्रकार- 2 क) दूरदर्शन पटकथा ख) सोप ओपेरा की पटकथा	पाठ्यपुस्तक
9	ग) वज्ञापन फल्मों की पटकथा घ) पटकथाकार के व भन्न गुण	पाठ्यपुस्तक 2
10	ङ) हिन्दी पटकथा में अर्थ व्यवस्था-नीति	पाठ्यपुस्तक
11-12	इकाई चार प्रारम्भ, पटकथा के मूल घटक क) वस्तु वन्यास	पाठ्यपुस्तक 2
13	ख) परिस्थिति परियोजना	पाठ्यपुस्तक 2
14-16	ग) पात्र परिकल्पना घ) संवाद कला	पाठ्यपुस्तक 2
17-18	क) पटकथा लेखन और वर्तमान परिदृश्य ख) पटकथा लेखन में युवाओं की भू मका	पाठ्यपुस्तक
19-20	ग) पटकथा लेखन में फल्म एवं टी.वी के कथात्मक लेखन में अंतर घ) पटकथा लेखन में आने वाली मूलभूत समस्याएँ ङ) समकालीन परिदृश्य में पटकथा लेखन की प्रासं गकता	पाठ्यपुस्तक